Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-204

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : द्वितीय
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : चतुर्थ
काव्य एवं काव्यशास्त्रम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. "हंससन्देश" ग्रन्थ का सार कथन अपने शब्दों में लिखिए।
2. साहित्यदर्पणकार आचार्यश्री विश्वनाथ के अनुसार अन्य मतों का खण्डन करते हुए काव्य स्वरूप दर्शाइए।
3. शुकनासोपदेश के रचयिता के विषय में "बाणोच्छिष्टं जगत सर्वम्" इस कथन का अभिप्राय प्रकट करें।
4. मुख्यार्थबाधे तद्युक्तो ययाऽन्योऽर्थः प्रतीये।
   रूढ़ेः प्रयोजनाद्वासौ लक्षणा शक्तिरर्पिता।।
5. शुकनासोपदेश में उल्लिखित वाक्यांशों को अपने शब्दों में सारगर्भित विवेचन कीजिए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. "इत्थं वाक्यं द्विधा मतम्" - इसका अभिप्राय संक्षिप्त रूप में दर्शाइये।
2. गुरुपदेशश्च नाम पुरुषाणामखिलमलप्रक्षालनक्षममजलं स्नानम्, अनुपजातपलितादिवैरूप्यमजरं वृद्धत्वम्, अनारोपितमेदोदोषं गुरुकरणम्, असुवर्णविरचनमग्राभ्यं कर्णाभरणम्, अतीतज्योतिरालोकः नोदवेगकरः प्रजागरः। विशेषेण राज्ञाम्। विरला हि तेषामुपदेष्टारः।
3. आचार्य वेंकटनाथ का जीवन परिचय देते हुए 'हंससंदेश' के साहित्यिक मूल्यांकन करें।
4. तीन शब्द शक्तियाँ कौन-कौन सी हैं? साहित्यदर्पण के अनुसार आलोचना कीजिए।
5. कादम्बरी के रचनाकार वाण का संक्षिप्त एवं निबन्धात्मक परिचय दीजिए।
6. उपकृतं बहु तत्र किमुच्यते सुजनता प्रथिता भवता परम्।
   विदधदीदृशमेव सदा सखे, सुखितमास्स्व ततः शरदां शतम्।। - में लक्षणा स्वरूप दर्शाइए।
7. गर्भेश्वरत्वमभिनवयौवनत्वमप्रतिमरूपत्वममानुषशक्तित्वञ्चेति महतीयं खल्वनर्थपरम्परा सर्वा। अविनयानामेकैकमप्येषामायतनम्, किमुत समवायः। यौवनारंभे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालणनिर्मलाऽपि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः।

----------x----------